

14/06/23

पत्रावली का प्रेशा हुआ। वहील जाही
कनुपलितता जाही स्वैय भी कनुपलितता
जाही को मय कलिबकता कोरु सभय
मे तीन वार तीन-तीन कावले लिखी
गयी बावकुस कावले लिखने के
जाही व जाही के कलिबकता कनुपलितता
रुत! उक्त उक्तान प्रकरण जाही
की रुत हाजरी व रुत पौरवी
मे शकारी लिख जाता है। पत्रावली
विषय सुकरा होकर साखिल रफ्तार है।

B. S. S.

सहायक कलेक्टर, गुडगावावाली